शनिवार
11 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

दिवाली पर बजट के अनुकूल इस तरह सजाएं अपना घर, लगेगा बेहद खूबसूरत

पृष्ठ 5

सलमान की टाइगर 3 तोड़ेगी जवान का रिकॉर्ड?

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 270
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है।
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

दूनवैलीमेल
सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राज्य में जल्द लागू होने वाला है यूसीसी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में यूनिफार्म सिविल कोड जल्द लागू होने वाला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार समिति दो–चार दिनों में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी, वहीं दीपावली के बाद सरकार विधानसभा में विशेष सत्र बुलाकर यूसीसी और आंदोलनकारियों के क्षैतिज आरक्षण विधेयकों को पारित कर सकती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा एक ट्यूट के माध्यम से राज्य में जल्द यूसीसी लागू होने की बात कही गई है। जिसे लेकर अभी भी कयास लगाए जा रहे हैं कि यूसीसी का ड्राफ्ट कमेटी द्वारा सरकार को सौपां जा चुका है। काबीना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा दिए गए एक बयान के अनुसार सरकार दीपावली के बाद विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है जिसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड और क्षैतिज आरक्षण बिल पर मुहर लगायी जा सकती है।

मुख्यमंत्री बीते कुछ दिनों में कई बार यह कह चुके हैं कि राज्य में जल्द ही यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हो जाएगा।

❑दीपावली के बाद बुलाया जा सकता है विशेष सत्र
❑आंदोलनकारियों का क्षैतिज आरक्षण बिल भी होगा पास

जिसके बाद राज्य की सामाजिक स्थितियों में भी भारी बदलाव देखने को मिलेगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरकार दीपावली की छुट्टियों के बाद एक सप्ताह के अंदर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर चुकी है जिसमें यूसीसी और आंदोलनकारियों के क्षैतिज आरक्षण बिलों को पास कराया जा सकता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य आंदोलनकारियों द्वारा क्षैतिज आरक्षण बिल को प्रवर समिति को सौंपें जाने पर भी सवाल उठाए गए थे। आरोप था कि सरकार इस लटका कर रखना चाहती है लेकिन अब प्रवर समिति अपनी रिपोर्ट विधानसभा अध्यक्ष को सौंप चुकी है। और यूसीसी का ड्राफ्ट भी तैयार हो चुका है तो क्यों न विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर इन दोनों विधेयकों को पारित कर दिया जाए। अगर ऐसा होता है तो राज्य में इसी माह यूसीसी लागू हो जाएगा।

जहां तक इन यूसीसी के ड्राफ्ट में क्या–क्या कुछ निहित है इस पर भी चर्चाएं शुरू हो चुकी है बिल में बहु विवाह पर प्रतिबंध से लेकर लिव इन रिलेशन की जानकारी सार्वजनिक करने व पंजीकृत करने तथा बेटियों को पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने जैसी तमाम बातों का प्रावधान किया गया है। यूसीसी के लिए गठित कमेटी जिसका कार्यकाल अभी बढ़ाया गया था वह भी अपने दून कार्यालय से सामान समेट चुकी है तथा उसका काम बहुत पहले समाप्त हो चुका है। अगर इसी माह उत्तराखंड में यूसीसी लागू होता है तो गोवा के बाद उत्तराखंड देश का दूसरा राज्य होगा जहां सभी के लिए समान कानून होंगे।

सैक्स रैकेट का खुलासा, महिला सरगना सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। किराये के मकान में चलाये जा रहे सैक्स रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने महिला सरगना व ग्राहक को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। मौके पर पुलिस द्वारा चार महिलाओं को भी रेस्क्यू कर उनके परिजनो के हवाले कर दिया है।

त्यौहारी सीजन के दौरान पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल को सूचना मिली कि क्षेत्र के एक मकान में कुछ लोगों द्वारा सैक्स रैकट कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल द्वारा बताये गये स्थान ईको टाउन फेस 3 डहरिया में छापेमारी करते हुए उक्त मकान से चार पीड़ित महिलाओं को रेस्क्यू किया गया। मौके पर टीम को एक महिला पुरुष ग्राहक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिली। जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। मौके पर ही टीम द्वारा इस गैंग की महिला सरगना व उक्त ग्राहक को

❑किराये के मकान में चल रहा था देह व्यापार, चार महिलाए रेस्क्यू

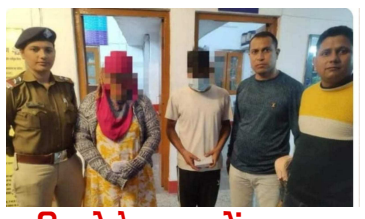

गिरफ्तार कर लिया गया। महिला सरगना पूजा सिंह के अनुसार उसने ईको टाउन फेस 3 डहरिया में लीला कटियार का घर 8 हजार प्रति माह के हिसाब से किराये पर लिया हुआ है। जिसमें उसके द्वारा वैश्यालय चलाया जा रहा था वैश्यालय चलने वाली महिला पूजा सिंह व ग्राहक गौरव कुमार को अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम में गिरफ्तार किया गया तथा महिला पीड़ितों को रेस्क्यू कर काउंसलिंग कराने के पश्चात उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। वहीं मकान मालिक लीला द्वारा किराएदार का सत्यापन न किराए जाने पर 83 पुलिस एक्ट के अंतर्गत 5 हजार रूपये का नगद चालान किया गया।

कनाडा में एक और अपराधी हरप्रीत सिंह की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा में तनातनी चरम पर है। इस बीच कनाडा में एक और अपराधी हरप्रीत सिंह की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। इससे कनाडा में खलबली मच गई है। कनाडा पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हरप्रीत सिंह के

साथ उसके बेटे को भी हमलावरों ने गोली मार दी। घटना में उसकी भी मौत हो गई। यह घटना कनाडा के एडमॉन्टन हुई। कनाडा में बढ़ रही गिरोह हिंसा के बीच मारा गया हरप्रीत सिंह भारतीय मूल का सिख था। इसमें उसका 11 वर्षीय बेटा भी मारा गया है। बताया जा रहा है कि हिंसा में मारा गया सिख हरप्रीत सिंह उप्पल (41) कनाडा के संगठित अपराध के क्षेत्र का कुख्यात व्यक्ति था। एडमॉन्टन पुलिस सेवा के कार्यवाहक अधीक्षक कॉलिन डर्कसन ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि उप्पल और उसके बेटे की बृहस्पतिवार दोपहर एक गैस स्टेशन के बाहर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोलीबारी के समय उप्पल की कार में उसके बेटे का दोस्त भी था, लेकिन उसे इस हमले में कोई चोट नहीं पहुंची।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में रहने वाली दो सगी बहनों ने की आत्महत्या

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा के जगनेर थाना क्षेत्र स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम में रहने वाली दो सगी बहनों की आत्महत्या और मिसे सूसाइड नोट के बाद यह आश्रम सवालों के घेरे में आ गया है। इस आश्रम में रहने वाली दो सगी बहनों एकता (37) और शिखा (34) ने शुक्रवार देर रात आश्रम के कमरे में फंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके सुसाइड नोट ने आश्रम से जुड़ी एक महिला समेत चार लोगों का कच्चा–चिट्ठा खोल दिया है। बहनों ने आश्रम में पनपे इस आपराधिक रेकेट द्वारा रुपये हड़पने से लेकर अन्य अनैतिक गतिविधियों में संलग्न होने का खुलासा किया है। सुसाइड नोट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ को संबोधि

त करते हुए लिखा कि आरोपियों को आसाराम बापू की तरह ही आजीवन कारावास दिया जाए। सुसाइड नोट के तथ्यों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। एकता और शिखा ने आत्महत्या से पहले चार पेज का सुसाइड नोट लिखा। शिखा ने एक पेज पर ही अपनी पूरी बात लिख दी, जबकि एकता नितिन पेज का सुसाइड नोट लिखा। शिखा ने लिखा कि दोनों बहनें एक वर्ष से परेशान थीं। उनकी मौत के लिए नीरज सिंघल, धौलपुर के ताराचंद, नीरज के पिता और ग्वालियर आश्रम में रहने वाली एक महिला जिम्मेदार है। शिखा ने अपने सुसाइड नोट में मौत के जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की। एकता ने सुसाइड नोट में पूरे मामले का पर्दाफाश किया। इसमें लिखा कि नीरज ने उनके साथ सेंटर में रहने का आश्वासन दिया था। सेंटर बनने के बाद उसने बात करना बंद कर दिया। एक साल से हम बहनें रोती रहीं, लेकिन उसने नहीं सुनी। उसका साथ उसके पिता, ग्वालियर आश्रम में रहने वाली महिला और ताराचंद ने दिया। पंद्रह साल तक साथ रहने के बाद भी ग्वालियर वाली महिला से संबंध बनाता रहा। इन चारों ने हमारे साथ गद्दारी की। सुसाइड नोट में लिखा है कि उनके पिता

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

आओ ऐसा दीप जलाएं?

'एक दीया ही सही, पर लड़ रहा तूफान से इस तिमिर में जो अकेला जल रहा है शान से हार जाएंगे अंधेरे, मन में यह विश्वास है जीत जाएंगे उजाले, अपने आत्मज्ञान से, दीप पर्व दीपावली हर वर्ष हर किसी के लिए आत्म चिंतन और कुछ सुखद अहसास लेकर आती है। जब प्रकृति अपने बदलाव का एहसास करा रही होती है और धरती दीप मालाओं से जगमग हो रही होती है। तब हम सभी का मन व्यतीत की तमाम व्यंजनाओ की सीमाएं तोड़कर नए संकल्प और विकल्पों के साथ आगे बढ़ने के मार्ग तलाशने की नई कोशिशें कर रहे होते हैं। दीपावली का संपूर्ण सार उसे दिए में निहित होता है जो हमारे द्वारा जलाया जाता है। यही कारण है कि हमारे मनीषियों द्वारा यह आग्रह किया जाता है कि सभी इस दीपावली पर एक दिया जरूर जलाएं। दिया आपको सिर्फ अंधकार रूपी अज्ञानता से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा ही नहीं देता है इसके अतिरिक्त भी ऐसे अनेक भाव आपके मन और आत्मा में भरने की सामर्थ्य रखता है जिनकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। दिया आपके जीवन से निराशा और नकारात्मकता को निकाल कर बाहर फेंकने की शक्ति प्रदान करने का सबसे सशक्त उपाय है दिए में घृणा और नफरत की भावना को समाप्त करने की शक्ति निहित है। दिया प्रेम का ऐसा अद्भुत संदेश है जो आपको सभी से प्रेम करने की कला सिखा सकता है और आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा व सम्मान को चार चांद लगा सकता है। दिया त्याग का वह प्रतीक है जो खुद जलकर दूसरों को उजाला प्रदान करता है। दिया दान का प्रतीक है। किसी के भी जीवन में दिया का महत्व सबसे अहम होता है। अक्सर हम सभी हर किसी से कुछ न कुछ पाने की या लेने की अभिलाषा ही रखते हैं। हमे सभी से यह अपेक्षा होती है कि सब हमारी इच्छानुकूल कार्य करें, सब हमारा कहना माने, हमारा सम्मान करें, हमें प्यार दे यानी हमें हर किसी से सिर्फ चाहिए ही चाहिए? सवाल यह है कि हमने उन सभी को दिया क्या है? सिर्फ चाहिए और चाहिए के अलावा भी बहुत कुछ है जीवन में और वह है दिया। प्रकृति जिसका मूल स्वभाव सिर्फ देना ही देना होता है हम भी इस प्रकृति का एक अंश है इंसान का मूल स्वरूप भी देने का ही है लेकिन भौतिकतावादी इस युग में हम अपने इस प्रकृतिदत्त मूल स्वरूप को भूल चुके हैं। इस दीपावली पर जब एक दिया जलाएं तो अपने मूल स्वरूप की प्राप्ति का संकल्प ले और लेने की कामना से मुक्त होकर देने वालों की कतार में खड़े होने की कामना करें। यह प्रकृति का नियम है आप जो दूसरों को देंगे दूसरे भी आपको उसके एवज में वैसा ही देंगे जैसा आपने उन्हें दिया है। इस दीपावली पर आप अगर किसी को कुछ अच्छा देते हैं तो आपने जिसे अच्छा दिया है वह भी किसी एक अन्य को वैसा ही कुछ अच्छा देगा जैसा आपने उसे दिया है और फिर ऐसे ही अच्छे-अच्छे दीप और दियों की दीपमालाएं बनती चली जाएगी। भले ही कितना भी समय लग जाए लेकिन आपका जलाया हुआ एक दिया एक दिन पूरी धरा को जगमग रोशनी से भर देगा। आपने क्या कभी सोचा है कि दीपावली अमावस्या को ही क्यों मनाई जाती है क्योंकि कार्तिक अमावस्या की रात ही सबसे काली होती है। अगर घोर तिमिर की यह रात नहीं होती तो न दिए का कोई अस्तित्व होता और न दीपावली का। अगर इस तिमिरमयी रात का अंत करना है और कोई अखंड दीप जलाना है तो इस दीपावली पर आप एक दिया जरूर जलाएं। देने के संकल्प वाला दिया। दीप पर्व दीपावली पर आप सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए सभी सुखी हों समर्थ हो, इन्हीं कामनाओं के साथ सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

मिट्टी के दीपक जला कर पर्यावरण रहित दीपावली मनाएंः चोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि मिटटी के दीपक जलाकर पर्यावरण रहित दीपावली मनायी जाये।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के एकमात्र संगठन द्वारा प्रथम वेंडिंग जोन चंडी चौराहा मार्ग के प्रांगण में वेंडिंग जोन के व्यापारियों द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी महेंद्र सैनी ने की, संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथनी ने किया। दीपावली मिलन के कार्यक्रम के दौरान स्थानीय सभी व्यापारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा का अंग वस्त्र देकर फूल-मालाओं के साथ एक दूसरे को मिठाई व मिट्टी के दीये बांटकर जोरदार स्वागत

किया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने सभी प्रथम वेंडिंग जोन के लाभार्थी लघु व्यापारियों को दीपावली की ढेर सारी शुभकामनाओं देते हुए कहा राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के तहत साफ सफाई और अपने घरों में दीपावली पूजन के दौरान मिट्टी के दिए जलाए पर्यावरण दूषित करने वाले पटाखों से दूर रहकर प्रतिकर्मक रूप से फुलझड़ी जलाकर दीपावली त्यौहार एक दूसरे के साथ खुशी बांटकर अपना जीवन दीपक की भांति जगाए। प्रथम बेंडिंग जोन के दीपावली मिलन कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती सुमन गुप्ता, मोहनलाल कश्यप, सचिन राजपूत, प्रभात चौधरी, वीरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश कालियान, गौरव चौहान, राजकुमार, अशोक शर्मा, योगेंद्र सिंह, रमेश कुमार, नानक चंद, बालकिशन, श्यामजीत, पंडित मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, श्रीमती सुनीता चौहान, मंजू पाल, सुमित्रा देवी, पुष्पा आशा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बुलेरो व बाइक की टक्कर में एक की मौत

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सड़क दुर्घटना में बीती रात एक बुलेरो वाहन व बाइक की टक्कर से बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार तहसील डुण्डा थाना उत्तरकाशी क्षेत्रान्तर्गत गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग हिम क्रिश्चन एकेडमी मातली के पास बीती रात लगभग 8.15 बजे एक बुलेरो वाहन और एक बाईक पल्सर की जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसमे बाईक बाईक चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसको 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में उपचार हेतु लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उक्त व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के शव को मोर्चरी में रखा गया। आज परिजनों की सहमति से शव के पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जायेगी। मृतक की पहचान जयवीर सिंह पुत्र कातकू लाल, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम सन्ताण गांव फोल्ड, धनारी उत्तरकाशी के रूप में की गयी है।

संयुक्त नागरिक संगठन ने खतरनाक पटाखों पर रोक लगाने की मांग की

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर बोरियम साल्ट युक्त खतरनाक पटाखों पर रोक लगाने की मांग की।

आज यहां सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत बोरियम साल्ट युक्त खतरनाक पटाखो की बिक्री तथा प्रयोग करने वालों पर सख्त कदम उठाने की मांग करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्यरत संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से मुख्यसचिव, गृहसचिव, पर्यावरण सचिव, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजे गये पत्र मे मांग की गयी है की खतरनाक रसायनों से युक्त भयानक आवाज तथा धुंआ फैलाने वाले पटाखे जिससे सल्फर डाइऑक्साइड नाइट्रोजन आदि गैसै निकलती पर कड़ी से रोक लगाने हेतु तत्काल कदम उठाये जाये। बताया गया है की ये गैसै वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों समेत पशु पक्षियों और जल जीवो के स्वास्थ्य को भी आघात पहुंचाती हैं। भयानक आवाज युक्त ये खतरनाक पटाखे कैंसर, अस्थमा, हृदय रोग और इम्यूनिटी की कमी का भार झेल रहे रोगियों के लिए ज्यादा हानिकारक है और ध्वनि और वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि के भी आधार है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सभी राज्यों को जारी सम्बन्धित निर्देशो का अनुपालन का दायित्वबोध बताते हुए जनहित मे इको फ्रेंडली पटाखे, आतिशबाजी की बिक्री लाईसेंसधारियो सुनिश्चित करने और इनका प्रयोग रात्रि 8 से 10 तक का ही निर्धारण करने हेतु तत्काल कदम उठाने की भी मांग पत्र मे की गयी है। पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गयी है। पर्यावरण प्रेमी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की डॉक्टर अनिल जग्गी, सुनील गुप्ता, निलेश राठी, सामान्य मंच के विनोद नौटियाल, समाजसेवी जगमोहन मेहंदीरत्ता, आंदोलनकारी मंच के प्रदीप कुकरेती, पेंशनर एसोसिएशन के दिनेश भंडारी, इको ग्रुप समिति की आशीष गर्ग, संसदे के सुशील त्यागी, जसबीर सिंह रेनोत्रा आदि ने भी इस मांग पर अपनी सहमति व्यक्त की है।

हर की पैड़ी पर अंडे बेचना पड़ा भारी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। समुदाय विशेष के युवक को हर की पैड़ी पर अंडे बेचना भारी पड़ गया। पुलिस ने उसे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम हर की पेड़ी क्षेत्रांतर्गत पुलिस टीम को गश्त के दौरान नाई घाट भागीरथी पुल के पास एक व्यक्ति मुर्गे के अंडे बेचते हुए मिला। जिस पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी को 5 करेट अंडे के साथ हिरासत में लेते हुए चौकी लेजाकर आरोपी के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम निजामुद्दीन पुत्र सफीक निवासी ग्राम गंजेवाली मिलक थाना भगतपुर जिला मुरादाबाद उत्तर प्रदेश उम्र 27 वर्ष बताया।

प्रास्य धारा अक्षरन्वृष्णः सुतस्यौजसा।
देवाँ अनु प्रभूषतः।।
(ऋग्वेद ९-२९-१)

परमात्मा शांति और आनंद की वर्षा करता है। परमात्मा की दिव्य ज्ञान की धाराएं हर स्थान पर व्याप्त हैं परंतु वे धाराएं उनको उपलब्ध होती हैं जो स्वयं को प्रकाशित करना चाहते हैं।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव मन्दिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष पूजा अर्चना की गयी।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर विशेष पूजा अर्चना के साथ हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाया गया, नए वस्त्र आभूषण पहनाए गए, उसके बाद पंडित कमल जोशी और मण्डली ने संगीतमई सुंदरकांड पाठ, भजन कीर्तनों के साथ यज्ञ और विशेष आरती की गई। मन्दिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने दीपावाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा श्री हनुमान

जी अकेले देवता हैं जिनका जन्मोत्सव साल में दो बार मनाया जाता है यह उनकी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की निष्काम सेवा का ही प्रताप है। इस अवसर पर भगवती जोशी, राम सेवक शर्मा, पण्डित कमल जोशी, पंडित जनार्जन नोटियाल, पंडित हितेश पंत, पंडित भरत जोशी, पंडित गणेश बिजलवान, हर्षपति रयाल, राघव शर्मा, सन्तोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

इन एक्सरसाइज से आपकी अंगुलियों व कलाई का दर्द मिनटों में छूमंतर हो जाएगा

लैपटॉप या सिस्टम पर लगातार बैठकर काम करना कोई मजाक की बात नहीं है। जो लोग सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक लैपटॉप के आगे बैठकर काम करते हैं या टाइपिंग करते हैं उन्हें अक्सर अंगुलियों, कलाई और कंधों में दर्द की शिकायत रहती है। इससे हथेलियों, कलाई और अंगुलियों में अकड़न आ जाती है और अंगूठे जाम व सुन्न भी हो जाते हैं। इन समस्याओं पर अगर समय रहते काम न किया जाए तो एक वक्त के बाद ये गंभीर रूप ले ले सकती है। इसलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान एक्सरसाइज बता रहे हैं जिन्हें आप बैठे बैठे कर सकते हैं और आपकी अंगुलियों व कलाई का दर्द मिनटों में छूमंतर हो जाएगा।

कलाई को घुमाना

इसके लिए अपना हाथ पकड़ें और अंगुलियों को छत की ओर ले जाते हुए सीधे खोलें। जब आपको थोड़ा सा खिंचाव महसूस हो तो छोड़ दें। अंगुलियों को नीचे की ओर करें और प्रत्येक हाथ के लिए इस प्रक्रिया को 10 बार दोहराएं।

हैंड पम्पिंग

यह अंगुलियों और कलाई के दर्द से राहत पाने का वाकई एक बहुत अच्छा तरीका है। इसके लिए आपको बस अपनी बाहों को पकड़ें और हाथों को बाहर की ओर खींचें। धीमी गति में मुट्ठी बनाएं और इसे प्रत्येक हाथ से 20 बार करें। इसे आप हर घंटे में एक बार कर सकते हैं।

थंब स्ट्रेच

इसके लिए छत के सामने हथेली के साथ अपना हाथ पकड़ें और अपनी हथेली पर अंगूठे को तब तक फैलाएं जब तक कि आप दबाव को महसूस न कर सकें। इसे 10 सेकंड के लिए पकड़कर रखें और फिर छोड़ दें। इस प्रक्रिया को दोनों अंगूठों से कम से कम 10 बार ऐसा करें।

हैंड स्ट्रेचिंग

छत के सामने अपने हाथों के पीछे अपने हाथों को अपने सामने फैलाएं। अब मुट्ठी बनाएं और फिर इसे अपनी अंगुलियों से नीचे की ओर खोलें और पोरों से नीचे की ओर खोलें। 2 सेकंड के लिए इसी स्थिति में रहें। अब, अपने हाथों को पूरी तरह से खोलें और जब तक आपकी अंगुलियां खिंचाव महसूस न करें, तब तक उन्हें फैलाएं रखें और 2 सेकंड तक इसी पोज में रहें। ऐसा रोजाना 5 बार करें।

कलाई की स्ट्रेचिंग

छत के सामने अपनी हथेली के साथ अपने दाहिने हाथ को सामने लाएं। दूसरे हाथ से अपनी चार अंगुलियां पकड़ें और धीरे से उन्हें नीचे की ओर खींचें। कुछ सेकंड के लिए इसे दबाए रखें और फिर छोड़ दें। अब दूसरी तरह फिर से इसे करें। आप इसे रोजाना 4 से 5 बार कर सकते हैं।

थंब टच

अपनी हथेलियों को ऊपर की ओर करते हुए अपने हाथों को बाहर की ओर रखें। अपना दाहिना हाथ लें और अंगूठे को हर अंगुली से टच करें। अब बाएं हाथ से भी ऐसा ही दोहराएं। ऐसा प्रत्येक हाथ से पाँच बार करें। इससे आपके अंगूठे और अंगुलियों का दर्द तुरंत दूर होगा।(आरएनएस)

टूथपेस्ट दिलाएगा अनचाहे बालों से छुटकारा, जानें कैसे...

अक्सर खूबसूरत दिखने के लड़कियां ब्यूटी पार्लर जाने से लेकर महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं लेकिन अनचाहे बालों की वजह से आपकी खूबसूरती में कमी आ सकती हैं।

शरीर से बालों को हटाने के कई विकल्प हैं लेकिन हमेशा उन विकल्पों के बारे में लोग सोचते हैं जो ज्यादा दिन तक व आसानी से बाल को हटा सकते हों। सामान्यतया वैक्सिंग या थ्रेडिंग से बालों को हटाया जाता है लेकिन दोनों में दर्द होता है। ऐसे में आप चाहे तो पार्लर की लम्बी कतार में खड़ी हो सकती हैं या हमारे द्वारा बताए जा रहे उपाय से मोनातों में अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकती हैं। तो आइये जानते हैं इस नुस्खें के बारे में।

कई बार आपने सुना होगा कि लोग बताते हैं कि टूथपेस्ट की मदद से भी बालों को हटाया जा सकता है। क्या सच में टूथपेस्ट से बालों को हटाया जा सकता है ? अगर हटाया जा सकता है तो उसका तरीका क्या है ? कुछ इस तरह के सवाल आप भी करते होगे। हम यहां उसी पर बात करेंगे।

बनाने का तरीका

- सबसे पहले टूथपेस्ट और बेकिंग सोडा को एक साथ एक बाउल में अच्छे से मिला लें। ऐसा करते समय इस पेस्ट में थोड़ा सा गुनगुना पानी भी डाल दें।

-अब इस मिश्रण को तब तक अच्छे से मिलाएं जब तक यह ढंग से मिक्स न हो जाए।

इस्तेमाल करने का तरीका

सबसे पहले तो आप इसे गर्दन के आस-पास या कानों के पीछे लगाकर टेस्ट करें कि आपको यह नुकसान तो नहीं करने वाली है। उसके बाद इस पेस्ट को अपने उस जगह लगाएं जहां से आप अनचाहे बाल हटाना चाहते हैं।

- करीब 15 मिनट बाद इस पेस्ट के सूखने पर अपने हाथ-पैरों को धो लें।

- ऐसा करने से आपके उस हिस्से पर बाल आना बंद हो जाएंगे। इतना ही नहीं वहां कि त्वचा कोमल और खूबसूरत भी दिखने लगेगी।(आरएनएस)

गुस्से को नहीं कर पा रहे काबू, करें इन योगासनों का अभ्यास

क्या आप जानते हैं कि पइस तरह हमेशा गुस्से में रहने से आपकी सेहत पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। गुस्सा करने वाले लोगों को सिर दर्द, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे में गुस्से को काबू करने से आप खुद को इन बीमारियों से सुरक्षित रख सकते हैं। गुस्सा कंट्रोल करने का एक अच्छा और कारगर तरीका है । आप कुछ विशेष योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं जो मन को शांत करने, मूड को बेहतर बनाने और गुस्से को कम करने का काम करते हैं।

गुस्सा हर किसी को आता है, और लोग इसका प्रदर्शन भी करते हैं। लेकिन, कुछ लोगों कों बहुत अधिक गुस्सा आता है। ऐसे लोग ज़्यादातर समय गुस्से में ही रहते हैं और गुस्सा उनके स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। गुस्सा आने के कई कारण हैं। दफ्तर में काम का बोझ, टारगट पूरा करने की चिंता, बॉस का गुस्सा, तो वहीं घर की आर्थिक ज़रूरतें पूरी ना कर पाने की हताशा, बच्चों और बूढ़े माता-पिता की देखभाल सही से न कर पाने का अफसोस जैसी भावनाएं भी गुस्सा बढ़ाती हैं। इसके अलावा रोज़मर्रा के कामों में ट्रैफिक, रिक्शा वाले से छुट्टे के लिए किच किच और नींद की कमी जैसे कारणों से भी गुस्सा बढ़ता है।

लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पइस तरह हमेशा गुस्से में रहने से आपकी सेहत पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। गुस्सा करने वाले लोगों को सिर दर्द, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे में गुस्से को काबू करने से आप खुद को इन बीमारियों से सुरक्षित रख सकते हैं। गुस्सा कंट्रोल करने का एक अच्छा और कारगर तरीका है । आप कुछ विशेष योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं जो मन को शांत करने, मूड को बेहतर बनाने और गुस्से को कम करने का काम करते हैं।

चक्रासन

यह योगासम हार्मोन्स इम्बैलेंस को व्यवस्थित करने के साथ आपको भावनात्मक स्तर पर मज़बूत भी बनाता है। यहां पढ़ें चक्रासन करने का तरीका।

*चक्रासन करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। घुटने मोड़ें और एड़ियों को नितंबों से स्पर्श कराते हुए पैरों को 10-12 इंच की दूरी पर रखें।

*बांह उठाएं और कोहनियां मोड़ लें।

*हथेलियों को कंधों के ऊपर सिर के निकट जमीन पर रख लें। सांस लें और धीरे-धीरे धड़ को उठाते हुए पीठ को मोड़ें।

*धीरे से सिर को लटकता छोड़ दें एवं बांहों तथा पांवों को यथासंभव तान लें।

*धीरे-धीरे सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोड़ें। जब तक संभव हो सके इस मुद्रा को बनाए रखें।

*इसके बाद शरीर को इस तरह नीचे करते हुए आरंभिक अवस्था में लौटें कि सिर जमीन पर ही टिका रहे।

*शरीर के शेष भाग को नीचे लाएं। अब अपनी सुविधा के अनुसार, इसे दोहराएं।

मत्स्यासन

इस योगासन का रोज़ाना अभ्यास करने से शरीर दर्द और कमर दर्द से तो राहत मिलती ही है। साथ ही यह गुस्से को काबू करने में भी मदद करता है।

ये है मत्स्यासन के अभ्यास का तरीका

*मस्त्यासन करने के लिए ज़मीन पर पीठ के बल लेटें। पैरों को सीधा रखें और एक-दूसरे से जोड़ दें।

*अब, अपनी हथेलियों को शरीर से टिकाएं और हिप्स के नीचे ले जाते हुए वहां रख दें।

*ध्यान रखें, आपकी दोनों हथेलियां ज़मीन पर होनी चाहिए

*अब अपनी कोहनियों को कमर के पास ले आएं

*अपने पैरों को मोड़ते हुए पालथी की मुद्रा में आएं

*अपनी जांघें और घुटने ज़मीन पर सीधे और टिकाकर रखें

*सांस अंदर लेते हुए चेस्ट को ऊपर उठाने का प्रयास करें।

*अपना सिर भी ऊपर उठाएं। लेकिन, इसके साथ ही सिर का ऊपरी हिस्सा फर्श पर टिकाए रखें।

*अपनी सुविधा के अनुसार इस मुद्रा में बने रहें। फिर, पूर्व मुद्रा में आकर इसे दोहराएं।

इसके अलावा पद्मासन, बालासन और अधो मुखोसन और सुखासन का अभ्यास भी कर सकते हैं। (आरएनएस)

अभिभावक बच्चों की तुलना न करें

कई बार अभिभावक दूसरे बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित होकर कभी-कभी अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से कर बैठते हैं। उनको इसका भान नहीं होता कि उनके इस रवैये का प्रभाव आपके बेटी-बेटे के नाजुक मानस पटल पर कितना हानिकारक प्रभाव पड़ता है। वह हीनभावना का शिकार हो जाता है जिससे वह सारी जिंदगी उभर नहीं पाता।

पड़ोसी की बेटी ज्यादा अंक परीक्षा में ले ले तो आपको अपनी बेटी को कम नहीं समझना चाहिए। अपने बच्चों को आगे बढने की प्रेरणा प्रोत्साहन जरूर दें लेकिन दूसरों से उनकी तुलना मत करें। हर व्यक्ति का आई क्यू, स्वभाव, रासायनिक एवं जैविक रचना अलग-अलग होती है। हर बच्चे का स्वभाव अलग होता है। दो व्यक्ति एक जैसे कभी नहीं हो सकते। सभी बच्चों का स्वभाव अलग होता है। बच्चों को समझ कर, उनकी प्रतिभा जिस क्षेत्र में है यह जानकर उसे उस क्षेत्र में मेहनत करने का प्रोत्साहन दें?

माता-पिता बच्चे के लिए भगवान से बढ़कर होते हैं। एक मां सौ शिक्षकों से बढ़कर होती है। जीवन का पहला संगीत मां की लोरी होती है। माता-पिता और बच्चों में पीढ़ी का अंतर तो होता ही है फिर भी समझदार मां-बाप को यथा समय इस अंतर को कम कर देना चाहिए। बच्चों से उनके जवान होने पर मित्रवत व्यवहार करें।

बच्चों के गुणों की प्रशंसा करें, उनकी कमियों को प्यार से उन्हें बताकर दूर करने का प्रयास करें। हर बच्चा प्रकृति का अनुपम प्रसाद है। माता-पिता और अध्यापकों का उसके व्यक्तित्व विकास में बहुत योगदान होता है। हर बच्चा अपना अलग स्वभाव रखता है। उसकी प्रतिभा पहचान कर उसे उसी रूप में ढालने का प्रयत्न करें। उसकी दूसरों के साथ तुलना मत करें। उसको डांट फटकार कर हतोत्साहित मत कर दें जिससे फिर वह जिंदगी में उठ ही न सके। इससे कई बार निराश हो कर बच्चे अवसाद का शिकार तक हो जाते हैं। यहां तक कि खुदकुशी तक कर लेते हैं, इसलिए हालत को समझकर ही उन्हें समझायें।

सडकों पर जारी मौतें

साल 2022 में भारत में सडक हादसों में एक लाख 68 हजार लोग मारे गए। कुल चार लाख 61 हजार हादसे हुए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग जख्मी और विकलांग भी हुए। घायलों की संख्या 4.43 लाख रही।

भारत में जानलेवा परिवहन की चर्चा अक्सर होती है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकलता। शायद इसलिए कि समाधान निकालना किसी की प्राथमिकता में नहीं है। यह एक तरह से सडकों पर रोजमर्रा के स्तर पर घटने वाली त्रासदियों के प्रति हमारी सामूहिक बेरहमी का संकेत है। इस त्रासदी का दायरा कितना बड़ा है, यह एक बार फिर सामने आए आधिकारिक आंकड़ों से जाहिर हुआ है। केंद्रीय सडक यातायात मंत्रालय ने सडक हादसों के बारे में अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस सालाना रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में देश में सडक हादसों में एक लाख 68 हजार लोग मारे गए। कुल हादसे चार लाख 61 हजार हुए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग जख्मी और विकलांग भी हुए। घायलों की संख्या 4.43 लाख रही। मरने वालों में से 71.2 प्रतिशत लोग तेज गति से वाहन चलाने की वजह से हुए हादसों का शिकार बने। सबसे ज्यादा हादसों के शिकार दोपहिया वाहन चलाने वाले हुए। यह भी इस घटननाक्रम का एक पहलू है। दोपहिया वाहन अक्सर निम्न मध्य वर्ग परिवारों के परिवहन का जरिया होते हैँ। नीति निर्माण से लेकर मीडिया की चर्चा और आम संवेदनाओं की प्राथमिकता में गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवार अक्सर काफी नीचे आते हैँ। एक और तथ्य गौरतलब है- 47.7 प्रतिशत हादसे और 55.1 प्रतिशत मौतें खुले इलाकों में हुईं- यानी उन क्षेत्रों में जहां मानव गतिविधि ज्यादा नहीं थी। मतलब यह कि हादसों के पीछे लापरवाही एक बड़ा कारण बनी हुई है। पिछले लगभग दो दशक इस बात को चर्चा में लाया गया कि अगर लोगों को दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की मदद के लिए प्रोत्साहित किया जाए, तो बहुत-सी जानें बच सकती हैँ। विधि आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सडक हादसों में मारे गए लोगों को अगर समय से अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो उनमें से 50 प्रतिशत की जान बचाई जा सकती है। इसे संभव बनाने के उद्देश्य से 2020 में केंद्र सरकार ने नए नियम भी बनाए। लेकिन इस दिशा में वास्तव में कोई प्रगति हुई है, इसका संकेत नहीं है। कुल मिलाकर दुखद स्थिति यह है कि हमारी सडकों का जानलेवा रूप बदल नहीं रहा है।

विपक्षी गठबंधन ज्यादा बिखरा है

राज्यों के विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां पहले से ज्यादा बिखरा दिख रहा है। कायदे से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' बनने के बाद बिखराव नहीं होना चाहिए था। लेकिन उलटा हो रहा है। पांच में से दो राज्यों- तेलंगाना और मिजोरम को छोड़ दें तो मुख्य मुकाबले वाले तीन राज्यों में विपक्ष पहले से ज्यादा बिखरा हुआ दिख रहा है। मुकाबला फ्री फॉर ऑल हो गया है। देश भर की पार्टियां चुनाव लड़ रही हैं, जिनमें से कोई विपक्षी गठबंधन की सदस्य हैं। मध्य प्रदेश में 90 से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस के साथ साथ 'इंडिया' के घटक दल भी चुनाव लड़ रहे हैं और उनकी वजह से मुकाबला कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं बन सका। सोचें, विपक्षी गठबंधन बना ही इसलिए है ताकि अगले लोकसभा चुनाव में वन ऑन वन चुनाव बनाया जाए यानी भाजपा के हर उम्मीदवार के सामने विपक्ष का एक उम्मीदवार हो लेकिन कांग्रेस और भाजपा के आमने-सामने वाले चुनावी राज्य में 'इंडिया' के घटक खेल बिगाड़ रहे हैं।

मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी से तालमेल की बात नहीं बनी तो उसने उम्मीदवार उतार दिए। इसी तरह जनता दल यू ने भी कई सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। आम आदमी पार्टी ने तो तीनों राज्यों में उम्मीदवार उतारे हैं और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को साथ लेकर रैलियां कर रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी गठबंधन में नहीं है लेकिन उसने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से तालमेल करके उम्मीदवार उतारे हैं। छत्तीसगढ़ में दिवंगत अजित जोगी की पार्टी छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस भी चुनाव लड़ रही है। दोनों लेफ्ट पार्टियों- सीपीएम और सीपीआई ने अलग उम्मीदवार उतारे हैं। राजस्थान में हनुमान बेनिवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का तालमेल चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के साथ हुआ है। वहां बसपा भी चुनाव लड़ रही है और मायावती प्रचार के लिए जाने वाली हैं। सो, कुल मिला कर चुनावी राज्यों में कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों और कुछ भाजपा विरोधी पार्टियों ने मुकाबले को आमने सामने का नहीं रहने दिया है। नजदीकी मुकाबले वाली सीटों पर इनकी वजह से कांग्रेस का समीकरण बिगड़ सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिवाली पर बजट के अनुकूल इस तरह सजाएं अपना घर, लगेगा बेहद खूबसूरत

दिवाली का त्योहार आने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं और यकीनन इसके लिए कई लोगों ने घर की साफ-सफाई भी शुरू कर दी होंगी।वैसे इस मौके पर घर की सजावट पर भी ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए आप दीये और लाइट्स के अलावा कम बजट में कई चीजों का इस्तेमाल करके अपने घर की खूबसूरती में चार चांद लगा सकते हैं।चलिए फिर आज दिवाली पर घर सजाने के लिए कुछ बेहतरीन तरीके जानते हैं।

रंगोली बनाएं

अगर आपके घर के बाहर का हिस्सा बड़ा है तो आप फर्श को रंगोली से सजा सकते हैंइसके लिए ऑनलाइन रिसर्च करके अच्छे रंगोली डिजाइन्स खोजें और फिर अपनी पसंदीदा रंगोली डिजाइन की रूपरेखा तैयार करें। अब इसे भरने के लिए रंगों का इस्तेमाल करें।इसके अलावा बाहर के दरवाजे के कोने और मंदिर में भी छोटी-छोटी रंगोली बनाएं। इसके लिए रंगों के साथ-साथ फूलों का भी इस्तेमाल करें।रंगोली बनाने के लिए इन हैक्स की मदद लें।

इस तरह सजाएं दीवारें

दिवाली का त्योहार रोशनी का है और ऐसे खास मौके पर लाइट्स और शीशे की सजावट करना तो बनता है।इसके लिए आप अपने घर की दीवारों पर लाइट वाली लडि?ां लगाएं। यह हर घर में आसानी से उपलब्ध होती है।इसके अलावा आप घर की दीवारों की सजावट शीशे से भी कर सकते हैं। इसमें जब दीयों और अन्य लाइट्स की रोशनी का प्रतिबिंब नजर आता है और घर और भी अधिक खूबसूरत लगता है।

घर पर बनाएं शुभ-लाभ हैंगिंग

इस दिवाली अपने हाथ से शुभ-लाभ हैंगिंग बनाकर अपने घर की खिड?ी-दीवारों पर लगाएं। आप इसे कम बजट में घर पर आसानी से बना सकते हैं।इसके लिए पहले एक कार्डबोर्ड पर 2 गोले बनाकर कांट लें। अब इसे कलरफुल शीट से कवर करने के बाद एक पर गिलीटर से शुभ और दूसरे पर लाभ लिखें।इसके बाद उसके किनारों को मोती, शीशे या गोटे से सजाकर इसे रिबन से ऐसे चिपकाएं ताकि इन्हें दीवार पर टांगना आसान हो जाए।

फूलों से करें सजावट

दिवाली पर आप फूलों का इस्तेमाल करके भी घर को सजा सकते है।हालांकि, इसके लिए आपको आर्टिफिशयल फूलों की बजाय असली फूलों का ही इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि असली फूलों से घर की सजावट ज्यादा अच्छा लगती है, साथ ही इसकी खुशबू से घर महकता भी रहता है।इसके लिए घर के सभी कमरों के किनारों और दरवाजों और खासतौर पर मंदिर को भी फूलों से सजाएं।दिवाली पर मेहमानों के लिए ये मीठे व्यंजन भी बनाएं।

घर पर फोटोग्राफी कॉर्नर बनाएं

दिवाली खुशियों का त्योहार है तो इसमें सेल्फी लेना तो बनता है। इसके लिए अपने घर पर एक फोटोग्राफी कॉर्नर बनाएं।ऐसा करने के लिए सबसे पहले बालकानी, आंगन या अन्य ओपन एरिया चुनें और फिर वहां पर फ्रेम तैयार करें।इसके बाद फ्रेम को गेंदा और अन्य फूलों की माला का इस्तेमाल करके सजाएं।आप चाहें तो रंगोली के रंगों का इस्तेमाल करके मल्टी-कलर फ्रेम भी तैयार कर सकते हैं। यह फुल त्योहार वाली वाइब्स देने में मदद करेगा। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -085

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

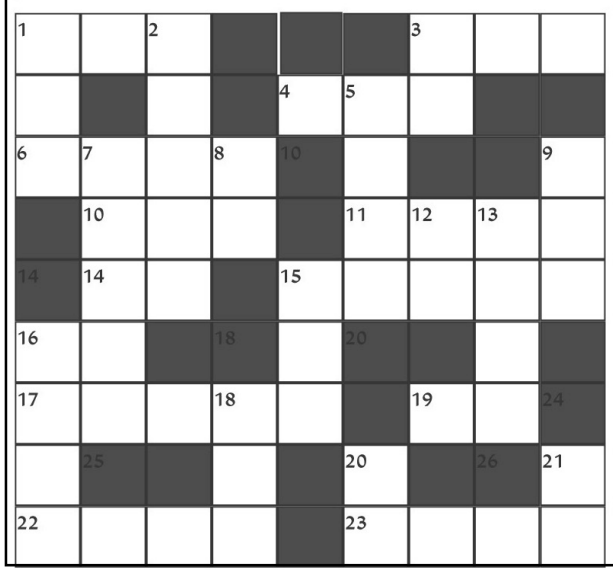

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सलमान की टाइगर 3 तोड़ेगी जवान का रिकॉर्ड ?

सलमान खान और कैटरीना कैफ की मोस्ट अवेटेड फिल्म टाइगर 3 को लेकर फैंस में काफी क्रेज देखने को मिल रहा है. भाईजान की फिल्म का फैंस आंख गड़ाए इंतजार कर रहे हैं. फिल्म को रिलीज होने में अभी २ दिन बचे हैं. लेकिन इससे पहले ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की एडवांस बुकिंग के लिए लाखों लोगों की भीड़ देखने को मिली है. फैंस भाईजान की फिल्म के लिए इस कदर दीवाने हैं कि थिएटर्स में 7 बजे के पहले शो को सुबह 6 बजे का कर दिया गया है. आज से शुरू हुई इस बुकिंग में दर्शकों की तरफ से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इस बीच शो की बुकिंग के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिसके मुताबिक एडवांस बुकिंग में ही फिल्म ने जबरदस्त कमाई कर ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 2डी वर्जन्स, आईमैक्स 2डी और 4डी वर्जन्स में काफी अच्छा कलेक्शन किया है. रिपोर्ट के मुताबिक पहले दिन ही फिल्म के हिंदी वर्जन के 3292 टिकट्स बिक गए हैं, जिससे 89 लाख रुपये की कमाई हो गई है. वहीं आईमैक्स 2डी में 831 और 2डीएक्स में 67 टिकट खरीदे गए हैं, जिसके मुताबिक फिल्म ने पहले दिन करीब 1.45 करोड़ की कमाई कर ली है।

वही, सिंगल स्क्रीन्स पर भी फिल्म के टिकट बिक रहे हैं, रिपोर्ट के मुताबिक सिंगल स्क्रीन में पहले तीन दिन तक की करीब 2800 टिकटें बिक चुकी हैं. इतना ही नहीं साउथ की तरफ भी फिल्म को लेकर काफी अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है. अब अगर यहां टाइगर 3 का शाहरुख खान की पठान और जवान से कम्पैरिजन करें तो, एडवांस बुकिंग के मामले में पठान ने 117 हजार और जवान ने 254 हजार तक बुक माय शो पर टिकट बुक हुए थे. अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि क्या सलमान की फिल्म शाहरुख कीं फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ पाएगी।

लंबे समय बाद दिवाली पर सलमान की फिल्म रिलीज हो रही है। पिछली बार 2015 में उनकी फिल्म प्रेम रतन धन पायो दिवाली पर आई थी।टाइगर फ्रैंचाइज खूब लोकप्रियता है और इसका एक बड़ा प्रशंसक वर्ग है, जो लंबे समय से फिल्म का इंतजार कर रहा था।यह फिल्म स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें शाहरुख खान और ऋतिक रोशन के कैमियो की चर्चा है। तीनों सुपरस्टार की उपस्थिति से प्रशंसकों का उत्साह और बढ़ गया है। बता दें कि, सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 दीवाली के मौके पर 12 नवंबर को सिनमाघरों में रिलीज हो रही है।

बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है लियो की कमाई

थलापति विजय की फिल्म लियो लोगों को जमकर एंटरटेन कर रही हैं. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई बरकरार है. विजय की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है. यही वजह है कि फिल्म पूरी दुनिया में छाई हुई है. 19 अक्टूबर को रिलीज हुई लियो ने 64.8 करोड़ रुपये के साथ दमदार ओपनिंग की थी और 300 करोड़ के क्लब में एंट्री भी ले चुकी है।

वहीं अब फिल्म-- की रिलीज को 17 दिन हो चुके हैं और अभी भी फिल्म दबाकर नोट छाप रही है. तो चलिए जानते हैं कि फिल्म मने अपने 17वें दिन यानी तीसरे शनिवार को कितनी कमाई की. बता दें फिल्म बहुत ज्लद 350 करोड़ का आंकड़ा भी पार करने वाली है. 17वीं दिन की कमाई के आंकड़ें सामने आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'लियो' ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे शनिवार को 4 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'लियो' की 17 दिनों की कुल कमाई अब 323.75 करोड़ रुपये हो गई है. साथ ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड 548.5 करोड़ की कमाई कर ली है।

बता दें कि फिल्म ने अपने पहले हफ्ते पर 264. 25 करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस किया था. तो वहीं दूसरे हफ्ते फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली. फिल्म ने दूसरे हफ्ते पर 53.35 करोड़ कमाए थे. अब ये 350 करोड़ का आंकड़ा पार करने से चंद कदम ही दूर है. उम्मीद है कि इस वीकेंड तक फिल्म ये माइल्स स्टोन पार कर लेगी. फिलहाल सभी की निगाहें 'लियो' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर ही टिकी हुई हैं।

बता दें कि 'लियो' ने अपने शुरुआती दिनों मे बंपर कलेक्शन किया था और लग रहा था कि ये शाहरुख खान की जवान को भी पीछे छोड़ देगी लेकिन दशहरे के बाद से फिल्म की कमाई में भयंकर गिरावट दर्ज की जा रही है।

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री करेंगी बॉलीवुड में शुरुआत

सलमान खान पिछले लंबे वक्त से अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर चर्चा में हैं, जो 12 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा सलमान अपने प्रोडक्शन हाउस सलमान खान फिल्म्स के तले बन रही फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका नाम फर्रे हैयह फिल्म इसलिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए सलमान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।अब सलमान ने फिल्म फर्रे का ट्रेलर जारी कर दिया है।

फर्रे एक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अलीजेह एक विद्यार्थी का किरदार निभा रही हैं, जो अच्छे अंक की जद्दोजहद में परीक्षा में नकल करती है। अलिजेह अग्निहोत्री फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्में वो एक टीनएजर के किरदार में नजर आ रही हैं, जो एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखती है, लेकिन पढ़ाई में तेज। सलमान ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर फिल्म फर्रे का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अब होगा इसका असली टेस्ट। यह फिल्म 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस फिल्म में अलीजेह के अलावा सौमेंद्र पाधी, साहिल मेहता, जेन शॉ, प्रसन्ना बिष्ट और रोनित बोस रॉय भी नजर आएंगे।

अलिजेह अग्निहोत्री का किरादर शहर के सबसे बड़े स्कूल में पढने का सपना देखती है और किसी तरह एडमिशन पाने में सफल भी हो जाती है। दिक्कत तब शुरू होती है, जब उसे अपने हाई-फाई स्कूल में अमीर बिगड़ैल बच्चों से डील करना पड़ता है। हालांकि, तेज दिमाग वाली अलिजेह की जल्द दोस्ती हो जाती है, लेकिन इसके पीछे वजह एग्जाम में चीटिंग करवाना है। इसके साथ ही शुरू होता है एग्जान चीटिंग रैकेट का खेल। फर्रे का डायरेक्शन जामताड़ा फेम सौमेंद्र पाधी ने किया है।

शाहरुख ने शेयर किए डंकी के नए पोस्टर्स

शाहरुख खान इन दिनों अपनी मचअवेटेड फिल्म डंकी को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। जबसे डंकी का पहला टीजर सामने आया है, हर तरफ इसी फिल्म की चर्चा हो रही है। वहीं अब फैंस के एक्साइटमेंट को बढ़ाने के लिए किंग खान ने फिल्म के दो नए पोस्टर्स शेयर जारी किए हैं।

शाहरुख खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के पोस्टर्स शेयर किए हैं, जहां उनके साथ फिल्म के बाकी स्टार कास्ट भी नजर आ रहे हैं। वहीं इसे शेयर करते हुए शाहरुख खान ने बेहद मजेदार कैप्शन लिखा है।

एक पोस्टर्स में शाहरुख को अपनी पूरी टोली के साथ देखा जा सकता है। वहीं दूसरे पोस्टर में सभी रेगिस्तान में दिखाई दे रहे हैं। इन पोस्टर्स को शेयर करते हुए शाहरुख खान लिखते हैं हम बिल्कुल उसी तरह दिख रहे हैं, जैसे राजू सर ने अपने उल्लू के पट्ठों को इमेजिन किया था। इनके बारे में बहुत कुछ शेयर करना अभी बाकी है।

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी ये फिप्म क्रिसमस के खास मौके पर रिलीज होगी। वहीं कहानी की बात करें तो डंकी में 4 दोस्तों की कहानी दिखाई गई है, जो इंग्लैंड जाने का सपना देखते हैं। वहीं अपने सभी दोस्तों का जिम्मा हार्डी यानी शाहरुख खान के कंधों पर होता है। बता दें कि फिल्म में शाहरुख के अलावा तापसी पन्नू, दीया मिर्जा, धर्मेंद्र, बोमन ईरानी, सतीश शाह अहम रोल में नजर आएंगे। तो वहीं विक्की कौशल और काजोल कैमियो में नजर आएंगे।

बिना किसी कट के नेटफ्लिक्स पर आई जवान

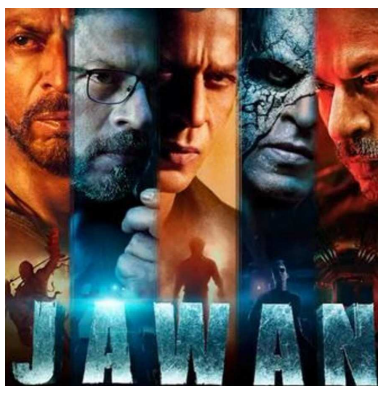

शाहरुख खान की 'जवान' का जादू दर्शकों के सिर चढकर बोला है। इस फिल्म ने देश-विदेश में ताबड़तोड़ नोट छापे हैं। भारत में जहां 'जवान' ने 640 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया है तो वहीं वर्ल्डवाइड भी ये फिल्म 11 सौ करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। वहीं थिएटर्स में खूब धमाल मचाने वाली इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का भी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। और किंग खान के बर्थडे के मौके पर ये इंतजार खत्म हो गया है। दरअसल 'जवान' को ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया है। शाहरुख खान के जन्मदिन के खास मौके पर फैंस को तोहफा देते हुए 'जवान' को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया गया। यानी अब घर बैठे साल की सबसे बड़ी फिल्म 'जवान' को एंजॉय किया जा सकता है।

अब देखना ये है कि सिनेमाघरों में दो महीने से ज्यादा समय तक गदर मचाने वाली 'जवान' को ओटीटी पर कैसा रिस्पॉन्स मिलता हैॉ

बता दें कि गुरुवार, 2 नवंबर को 'जवान' के ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मजेदार अंदाज में डिजिटल रिलीज की घोषणा की। ठीक आधी रात को, जैसे ही शाहरुख खान 58 साल के हुए, एक प्रोमो जारी किया गया जिसमें उनकी गर्ल गैंग के साथ उनका किरदार भी दिखाया गया। प्रोमो में, शाहरुख ने प्लेटफॉर्म को अगले दो मिनट के भीतर फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने की धमकी दी थी।

प्रोमो में शाहरुख खान नेटफ्लिक्स के सर्वर रूम में बैठे हुए नजर आते हैं और कहते हैं, गेस करो हम कहा हैं। बैकग्राउंड से आवाज आती है शाहरुख।।। इसके बाद शाहरुख कहते हैं अगले दो मिनट में 'जवान' रिलीज कर दो नहीं तो मैं तुम्हारे टुडुम का बना दूंगा बुडुम।।।ये सुनकर बैकग्राउंड से आवाज आती है हम इसे रिलीज कर रहे हैं वीकेंड पर।।इस पर एसआरके कहते हैं बाय बाय नेटफ्लिक्स।।। वहीं ब्रैकग्राउंड से फिर आवाज आती है, नो-नो प्लीज मेरी मन्नत है आपसे ये सुनकर शाहरुख कहते हैं ए मन्नत तो मेरी है। इसके बाद फिर बैकग्राउंड वाली आवाज कहती है आप बहुत फनी हो सर लेकिन ये सुनकर शाहरुख खो गुस्सा आ जाता है और वे कहते हैं चापलूसी मत कर और वे काउंटडाउन शुरू कर देते हैं। और फिर फाइनली नेटफिल्क्स 'जवान' को रिलीज कर देता है।

बता दे कि 'जवान' को एटली ने डायरेक्श किया है। फिल्म में शाहरुख खान ने डबल रोल प्ले किया है और उनकी दोहरी भूमिका को बहुत प्यार मिला है। फिल्में में किंग खान की नयनतारा के साथ ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी काफी पंसद किया गया है। फिल्म के अन्य कलाकारों की टोली में विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा, प्रियामणि, गिरिजा ओक, सुनील ग्रोवर सहित कई एक्टर्स शामिल हैं। इतना ही नहीं 'जवान' में दीपिका पादुकोण और संजय दत्त ने भी दमदार कैमियो कर सुर्खी बटोरी है। वहीं 'जवान' बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

पाक निकाल रहा अफगानों को!

श्रुति व्यास

अफगान तकलीफ में हैं। उनका बुरा वक्त चल रहा हैऐसे मैं देश के भीतर की अनिश्चितता और अराजकता के चलते पाकिस्तान में रह रहे करीब 17 लाख अफ?ानों की और मुश्किल है। उन्हे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान लौटने को कहा है। अगर वे ऐसा नहीं करते गै तो उन्हें पाकिस्तानी कानून में कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा।सो मंगलवार को पाकिस्तान में दस्तावेजों के बिना रह रहे करीब दस हजार अफगानियों को बसों और ट्रकों में ठूंसकर सीमा की ओर भेजा गया। अक्टूबर में करीब एक लाख अफगानी पहले ही जा चुके हैं।

पाकिस्तान के आदेश मेंएक नवंबर तक की मोहलत दी गई थी। मकान मालिक अफगानी किरायेदारों से मकान खाली करवा रहे हैं क्योंकि उन्हें भय है कि ऐसा न करने पर उन्हें भारी जुर्माना देना पड़ेगा। बिना दस्तावेज वाले अफ?ान कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा रहा है। पुलिस उन बस्तियों में छापेमारी कर रही है जहां बड़ी संख्या में अफगानी रहते हैं। जिनके पास कोई दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है। मानवाधिकार संगठनों और प्रवासियों ने पाकिस्तान के इन कदमों की निंदा की है। उन्हें डर है कि कुछ अफगानों को अतीत में तालिबान के विरोधियों से रिश्ते रखने के कारण अफगानिस्तान में दंडित किया जा सकता है।

पाकिस्तान में करीब 37 लाख अफगानी शरणार्थी रह रहे हैं, जिनमें से लगभग 7 लाख, अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जा होने के बाद से वहां से आए हैं। इनमें से 17 लाख के पास कोई दस्तावेज नहीं हैं। लेकिन टाईम पत्रिका के अनुसार बहुत से ऐसे अफगानियों को भी कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है जिनके पास वैध दस्तावेज हैं। तालिबान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब ने 5 अक्टूबर को कहा, ''पाकिस्तान का अफगानियों को निष्कासित करने का फैसला अन्यायपूर्ण एवं अमानवीय है, और हम इसकी निंदा करते हैं।

लेकिन पाकिस्तान को इस सबकी कोई परवाह नहीं है। उसे न तो अपनी छवि की चिंता है, न अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की नाराजगी की, न आईएमएफ के ऋण की, न तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान से रिश्ते और तनावपूर्ण होने की। सरकार ने देश भर में कई निर्वासन केन्द्र स्थापित कर दिए हैं जिससे इस बात का संकेत मिलता है कि सरकार अफगानियों को पकड?र वापिस भेजने के लिए कितनी गंभीर है। इस बीच पाकिस्तान की जनता भी कार्यवाहक 'कठपुतली नागरिक सरकार के इस निर्णय की सराहना और समर्थन कर रही है। कराची में पाकिस्तानी अफगानियों से बहुत कम दाम पर संपत्तियां खरीद रहे हैं।

तो आखिर जनरल आसिम मुनीर और उनके सहयोगियों की सेना यह क्यों कर रही है? जनता की लोकप्रियता दुबारा हासिल करने के लिए। औपचारिक तौर पर इसका कारण तहरीक-ए-तालिबान-पाकिस्तान (टीटीपी), जिसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है, की बढ़ती ताकत पर अंकुश लगाना बताया जा रहा है। यह सरकार के तख्तापलट का लक्ष्य लेकर चल रहे इस्लामिक संगठनों का एक समूह है। इनका संबंध अल-कायदा से है और इनकी निष्ठा अफगान तालिबान के प्रति है। तालिबान भले ही इसका खंडन करता है परन्तु यह भी सही है कि इन लड़ाकों को सुरक्षित शरणस्थल तालिबान की उपलब्ध करवा रहा है। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर दुबारा काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में टीटीपी की हिंसक गतिविधियों में बहुत बढ़ोत्तरी हुई है, विशेषकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में, जिनकी सीमा अफगानिस्तान से मिलती है। पिछले माह एक ही दिन में आत्मघाती हमलावरों द्वारा मस्जिदों पर किए गए दो अलग-अलग हमलों में 60 लोगों की मौत हुई। सरकार का कहना है कि टीटीपी में अफगानियों की संख्या बढ़ती जा रही है। उसका दावा है कि इस वर्ष हुए दो दर्जन से अधिक आत्मघाती बम विस्फोटों में से आधे से अधिक अफगानियों द्वारा किए गए थे।

लेकिन अफगानियों को हटा देने मात्र से टीटीपी खत्म नहीं होगा, ना ही आम जनता में सेना दुबारा लोकप्रियता हासिल कर पाएगी, यह बात जनरल मुनीर और सहयोगियों की समझ में नहीं आ रही है। उनका यह अनुमान पूरी तरह गलत है कि सारे अफगानियों को वापिस अफगानिस्तान भेजने से तालिबान सरकार पर दबाव पड़ेगा, उन्हें अक्ल आएगी और वे पाकिस्तान के साथ अधिक सहयोगपूर्ण रवैया अपनाएंगे। आखिकार तालिबान पाकिस्तान की वित्तीय सहायता से ही बना था!

जनरल मुनीर और उनके मातहतों का यह उम्मीद कि तालिबान पर नियंत्रण कर पाकिस्तान बड़ी शक्तियों, मुख्यत- अमरीका से सौदेबाजी करने की बेहतर स्थिति में होगा और इससे उसके घोर शत्रु भारत का अफगानिस्तान में प्रभाव कम होगा, हास्यास्पद है और पूरी तरह गलत साबित हुई है क्योंकि सत्ता पर दुबारा काबिज होने के बाद तालिबान ने पाकिस्तान के प्रति जरा सी भी कृतज्ञता या सम्मान प्रदर्शित नहीं किया है। हाल में प्रधानमंत्री पद से हटाए गए इमरान खान के समर्थन में पाकिस्तान में हुए प्रदर्शनों के बाद तालिबान के विदेश मंत्रालय ने बिना लागलपेट के कहा कि पाकिस्तान में राजनैतिक स्थितरता बनी रहनी चाहिए क्योंकि इससे पाकिस्तान और पूरे क्षेत्र को लाभ होगा। और अब निर्वासन की रणनीति अपनाकर पाकिस्तान ने तालिबान को नाराज कर दिया है। जनरल मुनीर को उम्मीद है कि 17 लाख अतिरिक्त लोगों का बोझ डालकर वे तालिबान को झुकने के लिए मजबूर कर पाएंगे और उसे टीटीपी को संयम बरतने की सलाह देने के लिए प्रेरित करेंगे। लेकिन इसका नतीजा होगा अधिक हिंसा और अधिक क्षेत्रीय अस्थिरता।

जहां तक पाकिस्तानी जनता का सवाल है, अर्थव्यवस्था जर्जर स्थिति में है। पाकिस्तान स्वयं एक डूबता हुआ जहाज है। राजनीतिक हालात बुरे हैं, अभी भी इमरान खान के प्रति काफी जनसमर्थन है। देश अस्थिरता के कगार पर है, अफगानियों के निर्वासन से समस्या कम नहीं होगी, बल्कि बढ़ेगी। लेकिन उस दौर में जब सत्ता ही सब कुछ है, किसी को दूसरे की परवाह नहीं है, यही होने की उम्मीद की जा सकती है।

साख बिगाड़ने का अभियान...!

पुलिस या कोई भी कानून प्रवर्तन एजेंसी चाहे तो किसी भी व्यक्ति को किसी मामले में फंसा सकती है। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इसका मौका भी दिया है। उन्होंने ऐसे ऐसे लोगों को चुन कर विधायक, मंत्री या राज्यसभा सांसद बनाया है, जिनके खिलाफ किसी भी समय एजेंसी कार्रवाई कर सकती है। नया नाम दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद का है, जिनके यहां प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने छापा मारा है। राजकुमार आनंद कुछ दिन पहले ही मंत्री बने हैं। राजेंद्र पाल गौतम के हिंदू देवी-देवताओं के बारे में दिए गए विवादित बयान के बाद उनको हटाया गया था और उनकी राजकुमार आनंद मंत्री बने।

पिछले साल अक्टूबर में राजेंद्र पाल गौतम हटाए गए थे और उसके बाद राजकुमार आनंद मंत्री बने थे। सो, उनके खिलाफ कार्रवाई एक साल में बतौर मंत्री किए किसी काम की वजह से नहीं हुई है। उनके ऊपर पुराने मामले में कार्रवाई हुई है। असल में डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस यानी डीआरआई ने उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने कस्टम को गलत जानकारी देकर सात करोड़ रुपए बचाए थे। उस मामले में उनके खिलाफ धन शोधन निरोधक कानून यानी पीएमएलए के तहत मुकदमा करके ईडी ने कार्रवाई शुरू की है। आम आदमी पार्टी के अब तक एक दर्जन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई हुई है, जिनमें से ज्यादातर भ्रष्टाचार, हवाला और धन शोधन के मामले में हुई है।

यह सही है कि केजरीवाल ने चुन चुन कर ऐसे लोगों को विधायक, मंत्री और राज्यसभा सांसद बनाया है, जिनमें से अनेक कारोबारी हैं और पहले से किसी न किसी विवाद में घिरे रहे हैं। ऐसे लोगों पर एजेंसियों के लिए कार्रवाई आसान हो जाती है। लेकिन ऐसे लोगों के अलावा सामाजिक या राजनीतिक कार्यकर्ता रहे दिल्ली व पंजाब के नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई हुई है। सवाल है कि आप नेताओं के ऊपर इतनी कार्रवाई क्यों हो रही है? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि केजरीवाल ईमानदारी का ढोल बहुत पीटते हैं। उन्होंने विवादित लोगों और कारोबारियों को पार्टी में आगे बढ़ाया है और विवादित फैसले भी किए हैं लेकिन अपने को सबसे ईमानदारी साबित करते रहते हैं।

अभी देश में ईमानदार और राष्ट्रभक्त नेता होने का विशेषाधिकार सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है। उनके उस विशेषाधिकार को अरविंद केजरीवाल चुनौती देते हैं। वे अपने को और अपनी पार्टी को कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त बताते हैं। दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार और पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं। चूंकि अभी तक केजरीवाल की पढ़े-लिखे और ईमानदार नेता की छवि बनी हुई है इसलिए उनके आरोपों से भाजपा को खतरा लगता है। तभी सबसे ज्यादा फोकस उनके ऊपर है कि उनको भी बाकी पार्टियों की तरह भ्रष्टाचारी पार्टी के तौर पर स्थापित किया जाए। उनकी साख बिगड़ेगी तो अपने आप उनके आरोपों पर लोग ध्यान देना बंद कर देंगे। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.085

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

शक की वजह है माहौल

अनेक राजनेताओं और कुछ अन्य व्यक्तियों को एपल कंपनी का नोटिस मिलने की खबर आते ही केंद्र सरकार ने इस प्रकरण की जांच का एलान किया। हालांकि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह कयास भी लगाया कि संभवत- किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण एपल के कुछ यूजर्स को ऐसा नोटिस आ गया होगा। इसके बाद एपल का स्पष्टीकरण भी आ गया। सामान्यत- उसके बाद विवाद खत्म हो जाता, लेकिन माहौल ऐसा है कि ये चर्चा अभी ठहरने वाली नहीं है। मामले को इसलिए अत्यधिक गंभीर समझा गया है, क्योंकि आए नोटिस में लिखा है कि यूजर्स के फोन को संभवत- सरकार समर्थित एजेंसियां हैक करने की कोशिश कर रही हैं। चेताया गया है कि हैकर सफल हुए, तो वे दूर से ही फोन में मौजूद सभी सूचनाओं तक पहुंच बना सकते हैं। उचित ही इस घटनाक्रम को पेगासस विवाद की शृंखला में देखा गया है। जुलाई 2021 में दुनियाभर के 17 मीडिया संस्थानों ने- पेगासस प्रोजेक्ट- नाम से एक रिपोर्ट छापी थीं। उसमें दावा किया गया कि एक इजराइली कंपनी द्वारा बनाए गए सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए विभिन्न देशों की सरकारों ने अपने यहां पत्रकारों, नेताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के फोन हैक करने की

कोशिश की।

रिपोर्ट में भारत में 300 से ज्यादा पत्रकारों, नेताओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के हैक करने की कोशिश का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने कभी यह नहीं माना कि उसने पेगासस का इस्तेमाल दूसरों की जासूसी के लिए किया, लेकिन कभी इस बात का दो टूक खंडन भी नहीं किया। मामला सुप्रीम कोर्ट में गया, तो अदालत ने विशेष जांच समिति बनाई। समिति ने जिन 29 उपकरणों की जांच की, उनमें से पांच में मैलवेयर पाया गया, लेकिन समिति को यह प्रमाण नहीं मिला कि यह पेगासस था। इससे ये मामला खत्म हो गया, लेकिन उठा संदेह खत्म नहीं हुआ। उसी पृष्ठभूमि में ताजा मामला सामने आया है। वैसे भी देश में विपक्षी नेताओं और सरकार से असहमत नागरिकों के खिलाफ कार्रवाइयों का ऐसा वातावरण बना हुआ है, जिसमें ऐसे प्रकरण सनसनी पैदा कर देते हैं। और इसका एक कारण यह भी है कि ऐसे मामलों का सच कभी सामने नहीं आता।

भारत को वास्तव में सुपर पावर बनना है तो सप्ताह में 70 घंटे काम करने की नीति बनानी होगी: तिवारी

नई दिल्ली। इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के वर्किंग आवर बढ़ाने को लेकर दिए बयान पर बहस जारी है। अब कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी भी इसमें कूद पड़े है। उन्होंने नारायण मूर्ति का समर्थन करते हुए कहा कि उनके जैसे कई जन प्रतिनिधि रोज 12-15 घंटे काम करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, मैं सप्ताह में 70 घंटे काम को लेकर नारायण मूर्ति के बयान पर मचे हंगामे को समझ नहीं पा रहा हूं कि इसमें क्या गलत है।

मनीष तिवारी ने कहा, हममें से कुछ जनप्रतिनिधि लोगों की सेवा करते हुए सप्ताह के सातों दिन 12-15 घंटे काम करते हैं। मुझे याद नहीं कि मैंने आखिरी बार रविवार की छुट्टी कब ली थी। रविवार को निर्वाचन क्षेत्र में कार्य दिवस भी होता है। मनीष तिवारी ने आगे कहा, "यदि भारत को वास्तव में सुपर पावर बनना है तो एक या दो पीढ़ियों को सप्ताह में 70 घंटे काम करने की नीति बनानी होगी। सप्ताह में 70 घंटे काम के साथ एक दिन छुट्टी और एक साल में 15 छुट्टियां बेहतर मानी जानी चाहिए।

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने पिछले दिनों लोगों को सुझाव दिया था कि अगर भारत को ग्लोबल पावर से मुकाबला करना है तो युवाओं को हर हफ्ते 70 घंटे काम करना चाहिए। उन्होंने कहा था, "भारत की वर्क प्रोडक्टिविटी दुनिया में सबसे कम में गिना जाता है. जब तक हम इसमें सुधार नहीं करेंगे तब तक उन देशों के साथ कंपटीशन नहीं कर पाएंगे, जिन्होंने काफी प्रगति की है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने नेपाली फार्म के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दस ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम विवेक पुत्र ओमचंद निवासी पत्थर प्लाट रायपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बस में जेबकतरों ने काटी दो की जेबें

संवाददाता

देहरादून। जेबकतरों ने सिटी बस में दो लोगों की जेब काटकर हजारों रूपये से भरे पर्स चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर नवादा मिनी मसूरी निवासी बलवन्त सिंह बिष्ट व प्रेमसिंह बिष्ट ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दोनों प्रिंस चौक से सिटी बस में बैठे थे थोडी देर बाद उन्होंने किराये के पैसे देने के लिए अपनी जेब में हाथ डाला तो किसी ने उनकी जेब काटकर उनके पर्स चोरी कर लिये है। बलवन्त सिंह के पर्स में तीन हजार रूपये व एटीएम कार्ड था जिससे किसी ने तुरन्त ही 23 हजार रूपये निकाल लिये हैं। वहीं प्रेमसिंह के पर्स में ढाई हजार रूपये नगद व एटीएम कार्ड था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

साईबर ठगों ने खाते से निकाले 99 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। कस्टमर केयर अधिकारी बनकर खाते से निकाले 99 हजार रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डंगवाल मार्ग नेशविला रोड निवासी अनिल नेगी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको एक कॉल आयी और उसने अपने आपको आईसीआईसीआई बैंक का कस्टमर केयर अधिकारी बनकर कन्फ्रर्मेशन कॉल करना जिसके बाद उसके खाते से बिना किसी लिंक पर क्लीक किये व बिना क्यूआर कोड स्कैन किए उसके खाते से 99 हजार 999 रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में रहने वाली दो..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

ने सात लाख रुपये प्लाट के लिए दिए थे। ये उन्होंने आश्रम से जुड़े व्यक्ति को दिए थे। इसके साथ ही 18 लाख रुपये उसी व्यक्ति ने हड़प लिए।

एकता ने लिखा है कि योगी जी इनको आसाराम बापू की तरह आजीवन कारावास होना चाहिए। इन लोगों ने बहुतों के साथ गलत किया है। किसी से पैसे लाते हैं, उसी पर केस कर देते हैं। सुसाइड नोट में एकता ने यह भी लिखा कि यह लेटर मुन्नी बहन जी और मृत्युंजय भाई साहब के पास पहुंच जाए।

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम डकैतीकांडः दून पुलिस को सिर्फ सुबोध का ही सहारा

संवाददाता

देहरादून। रिलांयस ज्वैलरी शोरूम में पडी बीस करोड की डकैती के मामले में दून पुलिस को बिहार के सुबोध का ही सहारा दिखायी दे रहा है उनको स्थानीय व आसपास के प्रदेशों के बदमाश दिखायी ही देने बंद हो गये।

उल्लेखनीय है कि नौ नवम्बर को सुबह सवा दस बजे राजपुर रोड पर सचिवालय के सामने स्थित रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में कर्मचारी पहुंचे और उन्होंने शोरूम खोलकर अपना रोजमर्रा का कार्य करना शुरू किया ही था कि तभी हथियारबंद बदमाश वहां पर धमक पडे और उन्होंने हथियारों के दम पर सभी को बधंक बनाकर वहां पर रखा सारे सोने चांदी, हीरे आदि के जेवर समेट लिये और आधा घंटे तक लूटपाट करने के बाद बदमाश वहां से रफूचक्कर हो गये।

घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों का अवलोकर करने के पश्चात पुलिस अधिकारियों ने एसओजी व पुलिस की टीमों का गठन कर बदमाशों की तलाश में लगा दिया। देर रात तक पुलिस अधिकारियों ने घोषणा कर दी कि इस वारदात में बिहार जेल में बंद सुबोध गैंग का हाथ है।

पुलिस अधिकारियों का दावा है कि इससे पहले भी इस गैंग ने कई अन्य राज्यों में भी रिलायंस के ही ज्वैलरी शोरूम लूटे हैं। जिसके चलते अब इस गिरोह में दून के रिलायंस शोरूम को अपना निशाना बनाया। घटना के अगले ही दिन पुलिस को बदमाशों की मोटरसाईकिलें व कार सहसपुर थाना क्षेत्र में मिल गयी। इसके बाद भी पुलिस सुबोध गैंग का पीछा छोडने को तैयार नहीं हैं। अब भी पुलिस का यही दावा है कि यह काम उसी गैंग का है। जबकि इससे खतरनाक गैंग व बदमाश उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं। फिर सुबोध गैंग को बिहार व उसके आसपास के राज्यों को छोडकर दून में ही रिलायंस का शोरूम दिखायी दिया। जबकि यहां के बदमाशों ने इससे भी खतरनाक तरीके से घटनाओं को अंजाम दिया है। वर्ष 2019 की घटना को पुलिस अधिकारी क्यों भूल रहे हैं। जब हथियारबंद बदमाश ने प्रेमनगर बाजार में सुनार की दुकान को लूटा था तथा दुकान को गोली मारकर अपना खौफ बाजार में पैदा कर दिया था। इसके अलावा ऋषिकेश में भी सुनार से लूट की घटना हुई थी। इस प्रकार से उत्तर प्रदेश में भी एक से बढकर एक बदमाश मौजूद हैं तथा हिमाचल व हरियाणा भी ऐसे बदमाशों से अछूता नहीं है। लेकिन इसके बावजूद पुलिस अधिकारी सुबोध गैंग के सहारे चल रहा है। जिससे तो यही साबित होता है कि अगर भगवान ने दून पुलिस का साथ दिया तो घटना का खुलासा हो सकता है। बाकी इनका भगवान ही मालिक है।

कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल

File Photo

संवाददाता

देहरादून। कार की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खदरी खडक मार्ग श्यामपुर निवासी मधुसूदन ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा आशीष अपनी मोटरसाईकिल से डोईवाला से ऋषिकेश की तरफ आ रहा था जब वह सात मोड पर पहुंचा तो सामने से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक वहां से फरार हो गया। राहगीरों ने उसके बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस का दीवाली धमाकाः 60 लाख की स्मैक सहित एक गिरफ्तार

❑बरेली से लाई जा रही थी स्मैक

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दीपावली के मौके पर पुलिस द्वारा बड़ा धमका करते हुए बरेली से लाई जा रही 60 लाख अस्सी हजार की स्मैक सहित एक व्यक्ति को उत्तराखण्ड यूपी बार्डर पर गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त बाइक, मोबाइल फोन व नगदी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना पुलभट्टा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को ग्राम अंजनिया में भूमिया देवता मंदिर के पास तिराहा पर उत्तर प्रदेश नवडाड़ी की ओर से आ रहा बाइक सवार एक संदिग्ध दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 608 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम फईम खान पुत्र तस्लीम खान निवासी मीर खां बाबन नगर थाना मीरगंज जिला बरेली उ.प्र. बताया। बताया कि वह फतेहगंज पश्चिम बरेली से यह स्मैक रेशमा पत्नी अजहर मूल निवासी अल्ली खा काशीपुर हाल निवासी फतेहगंज पश्चिम से लेकर आया हूँ, रेशमा आजकल फतेहगंज पश्चिम के कुख्यात स्मैक तस्कर रिफाकत के साथ लिव इन में रह रही है यह स्मैक मुझे सिरौलीकला क्षेत्र मे शाहनवाज उर्फ मामू को देनी थी जिसके बारे में सिरौलीकलां पहुंचने पर रेशमा मुझे बताती। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद स्मैक की कीमत लगभग 60 लाख 80 हजार रूपये रुपये आंकी गयी है।

फेसबुक पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज

देहरादून। फेसबुक एकाउंट पर परिवार को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालावाला निवासी रूचि शर्मा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी फेसबुक एकाउंट में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसको व उसके परिवार को गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

एक नजर

अदालत परिसर के बाहर अब वकील अपना रौब नहीं झाड़ सकेंगे!

नई दिल्ली। 'काला कोट' पहनकर अदालत परिसर के बाहर अब वकील अपना रौब नहीं झाड़ सकेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने इसे लेकर सख्त रवैया अपनाया है। कोर्ट ने कथित वकीलों द्वारा यूनिफॉर्म पहनकर विवादित जमीन के मामलों में हस्तक्षेप करने और भूमाफियाओं का सहयोग करने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए ये बात कही। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व न्यायमूर्ति एनके जौहरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता शुभांशु सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही। कोर्ट ने यूपी बार काउंसिल को आदेश दिया है कि वो इसे लेकर सभी वकीलों को दिशा-निर्देश जारी करे और ये तय करे कि वकील कोर्ट परिसर से बाहर यूनिफॉर्म न पहनें। दरअसल याची शुभांशु सिंह ने कहा था कि वो सिविल कोर्ट लखनऊ में प्रैक्टिस करता है। 21 सितंबर 2023 को उसके साथ वहीं कुछ वकीलों ने मारपीट की और उसका सामान लूट लिया। याची ने इस मामले में स्थानीय पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिसके बाद इस मामले की विवेचना सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र जांच एजेंसी से कराने की मांग की। याची ने कहा कि इस घटना से संबंधित जो भी सीसीटीवी फुटेज या सबूत हैं उन्हें सुरक्षित रखा जाए। कोर्ट ने संबंधित एडीसीपी से विवेचना की स्थिति तलब की और जनपद न्यायाधीश से पूछा कि उन्होंने याची के अनुरोध पर क्या कदम उठाया है। इस मामले पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 28 नवम्बर को तय की गई है।

दिवाली के मौके पर एक्टर धर्मेंद्र ने सीएम योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

लखनऊ । दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। अपने समय में उन्होंने फिल्मों में जबरदस्त एक्शन का दमखम दिखाया। वहीं आज दिवाली के खास मौके पर धर्मेंद्र ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। एक्टर ने सीएम आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान सीएम योगी ने ओडीओपी को अपनी तस्वीर देकर सम्मानित किया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि धर्मेंद्र इन दिनों अपनी फिल्म श्इक्कीसश की शूटिंग के लिए लखनऊ गए हुए हैं। वह अगले 10 दिनों तक राजधानी में ही रहेंगे। सीएम योगी और धर्मेंद्र की मुलाकात की तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें एक्टर मुख्यमंत्री के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। एक अन्य फोटो में सीएम योगी धर्मेंद्र को ओडीओपी की फोटो देते नजर आ रहे हैं। धर्मेंद्र की फिल्म श्इक्कीसश की बात करें तो यह परमवीर चक्र विजेता सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन करेंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म से अमिताभ बच्चन के नाती अगत्स्य नंदा बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं।

श्रीनगर की डल झील में भीषण आग लगने से आधा दर्जन हाउसबोट जलकर खाक

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की डल झील में भीषण आग लगने की घटना में सामने आई है। यहां पर आग की चपेट में झील के किनारे खड़ीं कई हाउसबोट जलकर खाक हो गईं हैं। यह घटना शनिवार तड़के की है। डल झील में भीषण आग लगने के बाद मौके पर कई टीमें पहुंची हैं। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि घाट नंबर 9 के पास एक हाउसबोट में आग लग गई और आग पर काबू पाने से पहले उसने इसके आसपास के कई अन्य हाउसबोट को अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के अनुसार, इस घटना में करोड़ों रुपए की संपत्ति का नुकसान बताया जा रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार आग के कारण कम से कम आधा दर्जन हाउसबोट खाक हो गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर की डल झील में हाउसबोट में आग लगने की घटनाएं कई बार सामने आ चुकी हैं। इससे पहले जुलाई में यहां पर एक हाउसबोट में भीषण आग लग गई थी। जिसमें भारी नुकसान हुआ था। इसके अलावा पिछले साल भी विश्व प्रसिद्ध डल झील में दो लग्जरी हाउसबोट में आग ली थी। आपको बता दें कि श्रीनगर की डल झील में हाउसबोट का आनंद लेने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ये जगह हाउसबोट के लिए भारत में बहुत फेमस है, जो पर्यटकों को आकर्षित करती है।

औद्योगिक निवेश के लिए हवाई कनेक्टिविटी को विस्तार देना होगा:धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए हवाई कनेक्टिविटी को और विस्तार देना होगा।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में राज्य के विकास कार्यों में तेजी लाने एवं रोजगार सृजन को बढ़ाने के लिए शासन के उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अब तक हुए रोड शो में जो करार हुए हैं, उन करारों की ग्राउंडिंग के लिए तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि देहरादून में 08 और 09 दिसम्बर 2023 को होने वाले आयोजन से पहले अधिकांश कार्य धरातल पर उतरें, इसके लिए तेजी से कार्य किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतियों में और सरलीकरण की जरूरत है, तो इसके लिए प्रस्ताव लाये जाएं। राज्य में जिन निवेश प्रस्तावों से अधिक रोजगार सृजन हो सकता है और राज्य की परिस्थितियों के हिसाब से जो प्रस्ताव अधिक अनुकूल हैं, उनको शीर्ष प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए हवाई कनेक्टिविटी को और विस्तार देना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जॉलीग्रांट एयरपोर्ट और पंतनगर एयरपोर्ट को अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने की दिशा में राज्य स्तर से की जाने वाली समस्त कार्यवाही शीघ्र की जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पिथौरागढ़ के नैनीसैनी हवाई पट्टी से नियमित हवाई सेवा संचालित करने के लिए की जा रही कार्यवाही में तेजी लाई जाए। इन सभी गतिविधियों में फास्ट ट्रेक मोड में कार्य किया जाए। राज्य में रोपवे निर्माण से संबधित कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के मास्टर प्लान पर तेजी से कार्य किये जाएं। राज्य में गढ़वाल मंडल और कुमांऊ मण्डल आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत दोनों मण्डलों में कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए भी तेजी से कार्य किये जाएं। मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में चयनित मंदिरों के लिए मास्टर प्लान के आधार पर कार्यों में तेजी लाई जाय। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 28 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2023 तक देहरादून में होने वाले 06वें विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन की सभी तैयारियां समय पर सुव्यवस्थित तरीके से की जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से यह बड़ा आयोजन होना है। अनेक देशों से आपदा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ इस आयोजन में प्रतिभाग करेंगे। उत्तराखण्ड को वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान बनाने का राज्य के पास अच्छा अवसर है। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन. पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, युगल किशोर पंत, सी. रविशंकर, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, महानिदेशक यू कॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, अपर सचिव जे.सी काण्डपाल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कुख्यात राठी के नाम से होटल कारोबारी से मांगी रंगदारी, जांच शुरू

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कुख्यात सुनील राठी के नाम से एक होटल कारोबारी से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिद्वार में होटल कारोबारी को सुनील राठी गैंग के नाम से धमकी मिलने पर हड़कंप मच गया है और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मामला कनखल के विष्णु गार्डन निवासी सन्नी कपूर से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि उन्हे 6 नवंबर को कॉल करके सुनील राठी के नाम से धमकी दी गई और रंगदारी न देने पर जान से मारने की बात भी कही गई।

बता दें कि कुख्यात सुनील राठी इन दिनों जेल में है और वह जेल से ही अपना गैंग ऑपरेट कर रहा है। वहीं दूसरी ओर होटल कारोबारी ने पूरी घटना पुलिस को बताई और पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जांच में काल करने वाले मोबाइल की लोकेशन दिल्ली बताई गई है। वहीं पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा भी दर्ज कर लिया है।

घर में आग लगने से मची अफरा-तफरी, सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

देहरादून। डोईवाला क्षेत्र के एक घर में आज दोपहर अचानक आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने से घर का काफी सामान जलकर स्वाह हो गया है।

जानकारी के अनुसार डोईवाला के अठूरवाला के खांड गांव निवासी धूम सिंह नाम के व्यक्ति के घर में आज दोपहर आग लग गयी। बताया जा रहा है कि डोईवाला के अठूरवाला के खांड गांव निवासी धूम सिंह बिष्ट नाम के व्यक्ति के किरायेदार के घर में आज दोपहर आग लग गयी। धूम सिंह के घर में किरण देवी नाम की महिला किराये पर रहती है जिनके पति का नाम सुरेंद्र राणा है। हालांकि घरवालों के अनुसार आग लगने के स्पष्ट कारण का अभी पता नही चल पाया है। लेकिन माना जा रहा है कि घर में एक दीपक जल रहा था, वह भी इसका कारण हो सकता है। बताया जा रहा है कि घर में यह आग की घटना पूजास्थल से हुई है। आज सुबह पूजा करने के लिये जलाये गये दीया-बत्ती से यह आग धीरे-धीरे सुलग गयी, जो देखते ही देखते घर में फैल गयी। आग के वजह से धूम सिंह के घर के सामान ने आग पकड़ ली। इस आग की वजह से उनके घर के बिस्तर,अलमारी और फ्रिज जल गए हैं आग लगने की घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गयी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंची और कुछ देर के अंदर इस आग पर काबू पा लिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।